विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

राँची * जनवरी-मार्च- 2024 *मार्गशीर्ष कृष्ण - चैत्र शुक्ल पक्ष *युगाब्द- 5125 *विक्रम संवत्- 2080 * वर्ष 4, अंक 12

संपादकीय

आदरणीय बंधु/भगिनी

सादर नमस्ते!

हमने स्वामी विवेकानंद एवं सुभाष चन्द्रबोस के जन्म जयंतियों को मनाया इन दोनों महापुरुषों ने राष्ट्ररक्षा के लिए युवाओं का आह्वान किया। देशवासियों के लिए उनका संदेश 'राष्ट्र सर्वोपरि' रहा। राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए हमारे अनेक बलिदानियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय मानबिन्दुओं में एक श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में श्रीराम लला का सदियों बाद एक लंबे कानूनी प्रक्रिया के अन्तर्गत अपने भव्य एवं दिव्य मंदिर में प्रतिस्थापित होना एक कालजयि घटना मात्र ही नहीं है, वरन् आने वाले संततियों के लिए एक संदेश भी है कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता अगर कमजोर होगा तो आताताईयों और आक्रांताओं का आक्रमण उसके सांस्कृतिक धरोहर पर पहले होगा। अतः सामाजिक चेतना और आस्था के प्रतिमान को सदैव याद रखना होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र मोदी जी का संदेश याद रखने योग्य है..... ''यह मंदिर राष्ट्र चेतना का भी मंदिर है। यह सिर्फ एक विग्रह की प्रतिष्ठा नहीं, राम के रूप में 'वसुधैव कुटुम्बकम' के विचार की प्राण प्रतिष्ठा है। यह भारतीय संस्कृति, मूल्यों, सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। उन मूल्यों, आदर्शों की आवश्यकता संपूर्ण विश्व को है। यह सिर्फ एक देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि, दर्शन, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था, आचार, विचार विधान, चेतना, चिंतन, प्रतिष्ठा एवं प्रभा है। राम नित्यता है और निरंतरता भी। राम विश्व है और विश्वात्मा भी।'' बन्धुओं! हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे भारत के वासी हैं।

अस्तु प्रधानाचार्य सम्मेलन संथाल परगना के गोड्डा जिलान्तर्गत सिद्धु कानो स.वि. मंदिर, ललमटिया में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में आगामी नये सत्र की कार्ययोजना को मूर्त रूप देने के लिए बृहद् चर्चा–वार्ता हुई। हम सब आगामी सत्र में अपनी योजनाओं को क्रियांन्वित करेंगे। विद्या की अधिष्ठात्रि देवी माँ सरस्वती की पूजा से वसंत ऋतु का आगमन एवं रंगों का त्योहार होली हमलोगों ने धूमधाम से मनाया।

लोकतंत्र का महापर्व 'चुनाव' सन्निकट है। भारत युवाओं का देश है। एक मजबूत सरकार चुनना हम सभी का कर्त्तव्य और धर्म भी है। कई दलों के घोषणा पत्र आपको अभी देखने–सुनने को मिलेंगे। कोरी घोषणाएँ राष्ट्र को आर्थिक रुप से कमजोर बनाती है। धरातल पर कोरी घोषणाएँ या तो धड़ाम से गिरती है या घोषणाओं को अमलीजामा पहनाया जाए तो हमारी अर्थतंत्र ही गिरवी रहती है। अतः सचेत रहकर समाज को भी समझाना है कि मजबूत सरकार ही देशहित में फैसले ले सकती है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (भारतीय नववर्ष) एवं भगवान श्री रामचंद्र जी के प्राकट्य दिवस चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ।

।। भारत माता की जय ।।

आपका ही

मनोज कुमार

विद्या विकास समिति, झारखण्ड

"पौष शुक्ल द्वादशी को अभिजित मुहूर्त में रामलला अपनी जन्मभूमि पर बने भव्य और दिव्य घर (गर्भगृह) में 496 वर्षों के बाद 22 जनवरी 2024 को दोपहर 12:29 मीनट पर श्यामवर्णो रामलला 'बालक राम' अयोध्या में विराजमान हो गए।

अनगिनत रामभक्तों, कारसेवकों और संत–महात्माओं के वर्षों के प्रयास एवं बलिदान का प्रतिफल है कि कार्य पूरा हुआ। यह घटनाक्रम सिर्फ एक तिथि ही नहीं वरन् एक नए कालचक्र का उद्गम है।"

विद्या विकास समिति, झारखण्ड, वनांचल शिक्षा समिति एवं जनजातीय शिक्षा समिति की प्रांतीय वार्षिक प्रधानाचार्य सम्मेलन, ललमटिया, गोड्डा के सिद्धो–कानो सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में दिनांक 02–02–2024 से 05–02–2024 तक किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर–पूर्व क्षेत्र (बिहार क्षेत्र) के सचिव नकुल कुमार शर्मा, देवघर विभाग प्रचारक, विगेन्द्र जी, विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी, राजमहल परियोजना के खनन मैनेजर सतीश मुरारी तथा विद्यालय के अध्यक्ष संदीप पंडित ने किया।

इस अवसर पर प्रांतीय योजनानुसार विभागशः श्रेष्ठ प्रधानाचार्य का चयन किया गया तथा उन्हें सम्मानित किया गया। मूल्यांकन के बिन्दु तय किए गए थे। उन्हीं बिन्दुओं पर समीक्षा की जाती है। बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. भारतीय संस्कृति, अपने संगठन तथा मातृ संगठन के प्रति निष्ठा।
2. आर्थिक, चारित्रिक एवं व्यवहारिक सूचिता तथा पारदर्शिता।
3. सामाजिक पहुँच, प्रशासनिक दक्षता एवं सक्षमता।
4. संख्या वृद्धि में दक्ष, परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट तथा विद्यालय को सामाजिक चेतना का केन्द्र बनाने में सक्षम एवं क्रियाशील।
5. विद्यालय का भौतिक, मनोसामाजिक, श्रृंगारिक, सामाजिक, एवं साज–सज्जा का पक्ष संस्कारक्षम एवं आदर्श हो।
6. विद्यालय की सहभागिता सभी प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षाओं में शत्–प्रतिशत करवाते है।
7. विद्यालय का प्रभाव सरकारी विभागों एवं मिडिया में पर्याप्त है, रहता है।
8. भैया–बहन, अभिभावक एवं शैक्षिक जगत में लोक प्रिय एवं प्रभावी हैं।
9. प्रतिदिन अपनी कक्षा लेने के साथ ही कक्षा एवं आय–व्यय का औपचारिक लिखित निरीक्षण करते हैं।
10. मृदु–भाषी, सरल एवं व्यवहार कुशल है।

ऐसे विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के नाम जिन्हें सम्मानित किया गयाः–

क्रम.	प्रधानाचार्यो का नाम	विद्यालय का नाम	विभाग
1	श्री बापिन कुमार दास	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, हिरणपुर, पाकुड़	साहेबगंज
2	श्री विजय कुमार वर्णमाल	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, खपरोडीह	देवघर
3	श्री अभय नारायण सिंह	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, हफुआ, चतरा	हजारीबाग
4	श्री उपेन्द्र कुमार राम	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मोदीडीह, भरकट्टा	हजारीबाग
5	श्री सुनील कुमार पाठक	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिन्दरी	धनबाद
6	श्री रजनी प्रकाश	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, खैराचातर	धनबाद
7	श्री आशीष कुमार झा	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मोरहाबादी	राँची
8	श्री अजय कुमार	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कांठीटांड	राँची
9	श्रीमती सीमा पालित	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नोवामुंडी	जमशेदपुर
10	श्री सचिन दास	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, थई	जमशेदपुर
11	श्री रमेश कुमार सिंह	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मेदिनीनगर	पलामू
12	श्री जितेन्द्र राम	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बारियातू	पलामू
13	श्री उत्तम मुखर्जी	स०वि०मं० इंटर कॉलेज, लोहरदगा	गुमला
14	श्री सुरेश नागेशिया	सरस्वती विद्या मंदिर, पण्डरिया।	गुमला

शिक्षा पद्धति जैसी होगी उस राष्ट्र का विकास भी वैसा ही होगा : गोविंद चंद महंत

विद्या भारती बिहार क्षेत्र के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

प्रातः आवाज

पिस्का नगड़ी। जिस राष्ट्र की शिक्षा पद्धति जैसी होगी उस राष्ट्र विकास भी वैसा ही होगा। उक्त बातें विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद चंद महंत ने श्री कृष्ण चंद्र गांधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, रांची स्थित प्रशिक्षण विद्यालय में बिहार क्षेत्र के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत के विकास के लिए भारत को केंद्र मानकर दी जाने वाली शिक्षा ही संपूर्ण विकास का द्योतक हो सकती है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय जीवन पद्धति को केंद्र मानकर ही शिक्षा नीति बनाई गई है। देश के हरेक विद्यालय में यह लागू होने की आवश्यकता है। विद्या भारती के माध्यम से चलने वाले सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरी तरह लागू हो इसके लिए हमें योजना अनुसार चरणबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। विद्यालयों में प्रारंभिक स्तर से ही शिक्षा सही दिशा मिले ताकि हमारे नौनिहाल भैया बहन विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें। वर्तमान शिक्षा नीति की बाल वाटिका योजना के माध्यम से भैया बहनों का पंचकोशीय विकास कर सकें, इस दृष्टि से विद्यालय में भौतिक एवं मानवीय संसाधनों की पूर्णता चरणबद्ध तरीके से होनी चाहिए। मां, मातृभूमि में मातृभाषा का सम्मान हो, साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा भी जीवंत बना रहे इस दृष्टि से भी हमें कार्य करने की आवश्यकता है। इस निमित्त इस कार्य के सूत्रधार उत्तरी बिहार, दक्षिणी बिहार एवं झारखंड के सभी पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई है।

इस बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्याली राम सहित तीनों प्रदेश के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी, प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं रामलाल सिंह के अलावे तीनों प्रांत के सभी पूर्णकालिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर, गुमला, झारखंड के पूर्व छात्र। युवा दिवस समारोह संपन्न।

छात्रों के लिए मोटिवेशनल क्लास का आयोजन।

धनबाद। सरस्वती विद्या मंदिर भूली में कक्षा दशम के छात्रों के लिए मोटिवेशनल क्लास का आयोजन किया गया। जिसमें आईआईटी (आईएसएम) के तकनीकी अधिकारी एवम विद्यालय के सह सचिव डॉ. सुनील कुमार ने छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने छात्रों को छात्र जीवन में प्रबंधन के गुर सिखाए। जिसमें उन्होंने Time management, Mind management, Mission management , vision management °ß´ life management के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को आगे के करियर ऑप्शन एवम उससे संबंधित पढ़ाई के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से कहा कि जो कार्य करना है उसे पहले मन में साधना होगा। छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना एवम उसके प्रति समर्पित होना आवश्यक है। जिस समय जो कार्य निर्धारित है वही करें। हम अपनें लक्ष्य को तभी पूरा कर पाएंगे जब हमारा शरीर स्वस्थ हो, अतः स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी आवश्यक है। विद्यालय के प्राचार्य शिवबालक प्रसाद सिंह ने मोटिवेशनल क्लास को छात्रों के लिए काफी उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि कक्षा दशम के बाद छात्रों को करियर से संबंधित समस्या का सामना करना पड़ता। अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में रहते हैं। आज की यह इस कक्षा से छात्रों को अपना करियर चुनने में काफी सहूलियत होगी, साथ ही छात्रों को उसे प्राप्त करने की भरपूर प्रेरणा भी मिली।

दैनिक जागरण ने सविम. के विद्यार्थियों को किया सम्मानित

विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रेश्वर प्रसाद • जागरण

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद (पलामू) : दैनिक जागरण ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के 9 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय के सभागार में हुआ। यह सम्मान समारोह 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं के बीच दैनिक जागरण ने निबंध लेखन, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित कराई थी। छात्र-छात्राओं ने प्रभु श्रीराम की जीवनी, उनकी जन्मस्थली अयोध्या, सबरी के झूठे बेर, श्रीराम मर्यादित आदर्शों को निबंध, चित्रकला व भाषण के माध्यम से चित्रण किया था। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम सौम्या कुमारी, द्वितीय चंदन कुमार व तृतीय हर्ष वर्मा, पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम प्रार्थना कुमारी, द्वितीय आरुषि कुमारी व तृतीय हर्षिका कुमारी, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सान्वी कुमारी, द्वितीय लाडली कुमारी व तृतीय खुशी कुमारी को पुरस्कृत किया गया। उनका उत्साहवर्धन कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व विद्यालय प्रबंध समिति के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रेश्वर प्रसाद, अध्यक्ष डा शिव प्रसाद मेहता, उपाध्यक्ष सत्येंद्र चंदेल, प्रधानाचार्य कृष्णकांत दुबे, प्रभारी प्रधानाचार्य अखिलेश विश्वकर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता, अभिभावक प्रतिनिधि राजेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अतिथियों ने दैनिक जागरण के प्रयास को प्रशंसनीय बताया। कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में और बेहतर करने की ललक बढ़ती है। अभिषेक पाठक, रंजीत मिश्रा, अधिवक्ता आलोक कुमार, छाया कुमारी, अशोक विश्वकर्मा समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं व अन्य लोग मौजूद थे।

नन्हें-मुन्ने छात्रों ने मनाया होली उत्सव

भूली | सरस्वती विद्या मंदिर भूली में कक्षा अरुण, उदय एव प्रभात के नन्हें-मुन्ने छात्रों ने वार्षिक परीक्षा की समाप्ति के बाद प्राचार्य एवं आचार्यों के साथ होली उत्सव मनाया। प्राचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने बताया कि छात्रों ने पूरे उत्साह से होली उत्सव मनाया। इस प्रकार के कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपनी संस्कृति से अवगत कराना है। छात्रों ने एक दूसरे को एवं आचार्यों को अबीर लगाया। प्रभारी प्रधानाचार्या रंजना सिंह, अनुराधा कुमारी, रवि सिंह, नेहा, श्वेता आदि थे।

समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षित करना है विद्या भारती का लक्ष्य : ख्याली राम

- जनजातीय क्षेत्र में संचालित स्कूलों के आचार्यों को क्षेत्र संगठन मंत्री ने किया संबोधित
- प्रदेश मंत्री ने कहा कि राष्ट्र की समृद्धि के लिए समाज के हरेक व्यक्ति को सुशिक्षित होना आवश्यक

जागरण संवाददाता, रांची : विद्या भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा है कि शिक्षा अपने साथ संस्कार, साधना, भक्ति, आचरण एवं व्यवहार कुशलता लेकर आती है। शिक्षा धनोपार्जन के लिए नहीं, बल्कि व्यक्ति में मानवता के गुण को समावेशित करने के लिए होनी चाहिए। विद्या भारती अपने स्कूलों के बच्चों में ऐसी ही शिक्षा देने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही विद्या भारती का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षित करना है।

वे रविवार को कुदलुम में विद्या भारती की ओर से जनजातीय क्षेत्रों में संचालित स्कूलों के आचार्यों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज का अंतिम व्यक्ति शिक्षित होगा, तभी समाज में फैली कुरीतियां दूर होंगी। ख्याली राम ने शिक्षकों से कहा कि हमें अपना आचरण भी ऐसा रखना है, जिसका प्रभाव बच्चों के साथ-साथ समाज पर पड़े। इस अवसर पर जनजातीय शिक्षा समिति के प्रदेश मंत्री सुखी उरांव ने कहा कि राष्ट्र की समृद्धि के लिए समाज के हरेक व्यक्ति को सुशिक्षित होना आवश्यक है।

विद्या भारती के प्रशिक्षण वर्ग में संगठन मंत्री ख्याली राम (दायें) व सुखी उरांव • जागरण

हम शिक्षकों का काम समाज के हर एक व्यक्ति को चरित्रवान एवं सुशिक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि विद्याभारती उन क्षेत्रों में बच्चों को शिक्षित करने का काम कर रही है जहां पर आज तक सरकारी विद्यालय नहीं हैं। इस मौके पर क्षेत्र प्रमुख सुखी उरांव, बहादुर टाना भगत, प्रांत सह प्रमुख कोमल उरांव, गुरुवा मुंडा, सुखदेव एक्का सहित 200 से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहें हैं।

तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला का हुआ आयोजन

साहिबगंज(उजाला) ।शुक्रवार को विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,साहिबगंज में आगामी सत्र 2024-25 हेतु तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आरंभ किया गया ।कार्यशाला का आरंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रामदेव राम ने सरस्वती माता, ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया ।कार्यशाला के प्रथम सत्र मेंसभी पंजियों, संचिकाओं एवं अभिलेखों के व्यवस्थित किया गया ।द्वितीय सत्र में सभी अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन किया गया ।सभी स्थाई भौतिक सामग्रियां का सत्यापन कर स्थाई वस्तु पंजी को अद्यतन किया गया। सभी विभागों के कार्य की समीक्षा की गई एवं सामग्रियों की सूची बनाई गई ।तृतीय सत्र में सत्र 2023-24 की विस्तृत समीक्षा की गई एवं सबल एवं निर्बल पक्षों पर विचार किया गया ।प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पर चर्चा की गई ।चतुर्थ सत्र में सत्र 2024-25 हेतु आचार्य भारती

का गठन किया गया, दिवसाधिकारी का निर्धारण

तथा सभी के दायित्व पर चर्चा किया गया ।शून्य कालांशमें प्रतिदिन के दिन के लिए निर्धारित विषयों पर चर्चा एवं सभी का अभ्यास किया गया एकात्मता-स्तोत्र में वर्णित महापुरुषों,देवियों पर चर्चा की गई ।पंचम सत्र में प्रांतीय कार्य योजना एवं शैक्षिक पंचांग 2024-25 के विषयों पर चर्चा एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया ।अभिभावक गोष्ठी, अभिभावक संपर्क,मातृ सम्मेलन,दादा-दादी,नाना-नानी सम्मेलन आदि आयोजित करने हेतु तिथि मास निर्धारित किया गया ।कार्यशाला में विद्यालय के आचार्यअमित कुमार,रंजीत कुमार ठाकुर,दिलीप कुमार पासवान,राघव वत्स,अजय कुमार साह,अजीत कुमार मालवीय,सुनील कुमार,कल्याण भंडारी,श्यामा प्रसाद,किरण गुप्ता,निर्मला कुमारी,अर्चना वर्मा,लिपिका राज सिंह,सारिका कुमारी,क्रिस्टीना मुर्मू,स्नेहा भारद्वाज उपस्थित थे।

विद्या भारती बिहार क्षेत्र के महिला आचार्यों का नवीन विद्यालय वेश

मकरसंक्राति के अवसर पर मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में पतंगवाजी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर, कुदलुम, राँची के छात्रों ने प्रधानाचार्य के साथ नगड़ी के वृद्धाश्रम का दौरा किया। सभी वृद्धजनों को फल एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

3

विद्या विकास समिति, झारखण्ड/वनांचल शिक्षा समिति, कार्यकारिणी एवं साधारण सभा बैठक, 13 मार्च, 2024

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिनी प.सिंहभूम में भव्य शोभायात्रा निकाली गयी।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पतरातु बाजार की बहने किक बॉक्सिंग खेल जो पूर्णिया में संपन्न हुई नेशनल खेल में बहन श्रुति सिल्वर नंदनी अंजू और प्रीति ब्रांच पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन की।

संकुल स्तरीय कला संगम प्रतियोगिता में 140 भैया बहनों ने लिया भाग

ऐसे आयोजन से बच्चों में छिपी हुई कला एवं प्रतिभा का होता है विकास:फणिंद्रनाथ झा

रामगढ़। शहर के बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बुधवार को संकुल स्तरीय कला संगम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन रांची विभाग के विभाग निरीक्षक फणिंद्रनाथ झा, विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। मौके पर विभाग प्रमुख ने संबोधित करते हुए बताया की इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों में अपने अंदर छिपी हुई कला एवं प्रतिभा का विकास होता है।

प्रतियोगिता में 140 भैया बहनों ने लिया भाग : प्रतियोगिता में रामगढ़ संकुल के सभी विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामगढ़, सिरका, सारूबेड़ा, पतरातू थर्मल, गिद्दी बस्ती, पतरातू बाजार एवं लारी सहित विभिन्न विद्यालयों के कुल 140 भैया बहनों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम प्रांत की योजना के अनुसार राज्य के सभी जिलों में होनी है। प्रतियोगिता में एकल गीत, एकल नृत्य, सामूहिक गीत, सामूहिक नृत्य, नाटक मंचन, रंगोली, मेहंदी, भाव गीत आदि कलाओं की प्रस्तुति की गई। जिसमे, विभिन्न विद्यालयों से शिशु वर्ग, बाल वर्ग तथा किशोर वर्ग के भैया बहन सम्मिलित हुए।

बच्चे राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान के रूप किया प्रस्तुति : नाट्य कला में बच्चों ने सोशल मीडिया के प्रभाव तथा सामाजिक कुरीतियों को दिखाकर जन जागरण का कार्य किया। बच्चे राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान के रूप में अपनी प्रस्तुति देकर सभी के मन को मोह लिया। बच्चों ने रंगोली के माध्यम से राम मंदिर का प्रारूप बनाया। प्रतियोगिता के अंत में सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रमुख कुमकुम झा के अलावा सभी आचार्य दीदी का सहयोग रहा।

रांची एक्सप्रेस

अंक नहीं कर सकते बच्चों की प्रतिभा का आकलन

वार्षिक परीक्षाफल के साथ छात्र-छात्राएं शिक्षकगण• जागरण

संवाद सहयोगी, रामगढ़ : बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को वार्षिक परीक्षाफल की घोषणा समारोह आयोजित कर की गई। समारोह का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी, अभिभावक सत्यनारायण महतो, भीम कुमार यादव, परीक्षा प्रमुख महेश्वर महतो ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्पार्चन कर किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को बीच पूरे वर्ष भर की शैक्षणिक गतिविधियों के आधार पर पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में अभिभावकगण तालियां बजाकर छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाते रहें। विद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक महेश अग्रवाल, अध्यक्ष सुरेश बागड़िया, सचिव शंकर लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल आदि छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वाटिका वर्ग में कक्षा प्रभात की धृति कुमारी ने सर्वाधिक अंक 99.9 प्रतिशत प्राप्त किया। वही शिशु मंदिर खंड में कक्षा द्वितीय से शिवांश कुमार ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तथा विद्या मंदिर खंड से कक्षा अष्टम की छात्रा परिणीता सिंह ने 94.1 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। सभी कक्षाओं से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अंक पत्र एवं पुरस्कार दिया गया, साथ ही सत प्रतिशत उपस्थित रहने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार की व्यवस्था प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश बगड़िया की ओर से किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा केवल अंक के आधार पर बच्चों की प्रतिभा का आकलन करना कठिन है। बच्चों में संस्कार, सामाजिकता, नैतिकता, व्यवहार एवं सेवा भाव का भी होना जरूरी है तभी बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा और वह अपने माता-पिता, समाज और देश का नाम रोशन कर पाएंगे। मौके पर सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं, कर्मचारी अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मंत्री ने किया स्कूल के नए बिल्डिंग का शिलान्यास

आवाज प्रतिनिधि। 11 मार्च

गिरिडीह। बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार को कोडरमा लोकसभा की सांसद सह शिक्षा राज्य मंत्री, अन्नपूर्णा देवी ने विद्यालय में दो भवन का शिलान्यास किया।प्रधानाचार्य आनंद कमल ने शिक्षा राज्य मंत्री को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास जारी है। विद्या भारती के विद्यालयों में बच्चों के चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत एवं अत्याधुनिक जानकारी के साथ शिक्षा दी जाती है।यहां से पढ़कर निकलने वाले बच्चे राष्ट्रभक्ति के साथ-साथ जिम्मेवार इंसान बनते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर उन्होंने अपनी बातों को रखा।

बच्चों ने श्रीराम व जानकी की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की

राम, सीता, लक्ष्मण व हनुमान का वेश धारण किए बच्चे • जागरण

संस, रामगढ़ रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बुधवार को संकुल स्तरीय कला संगम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्कूली बच्चों की ओर से श्रीराम, जानकी, लक्ष्मण व हनुमान का वेश धारण कर जिवंत झांकी प्रस्तुत की। झांकी देखकर लोग भावविभोर हो गए। कार्यक्रम का उद्घाटन रांची विभाग के विभाग निरीक्षक फणिंद्र नाथ झा, विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्पार्चन कर किया। कार्यक्रम में रामगढ़ संकुल के सभी विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामगढ़, सिरका, सारूबेड़ा, पतरातू थर्मल, गिद्दी बस्ती, पतरातू बाजार एवं लारी जैसे विभिन्न विद्यालयों के कुल 140 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम प्रांत की योजना के अनुसार राज्य के सभी जिलों में होनी है। प्रतियोगिता में एकल गीत, एकल नृत्य, सामूहिक गीत, सामूहिक नृत्य, नाटक मंचन, रंगोली, मेहंदी, भाव गीत आदि कलाओं की प्रस्तुति की गई।

जिसमें विभिन्न विद्यालयों से शिशु वर्ग, बाल वर्ग तथा किशोर वर्ग के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। विभाग प्रमुख ने संबोधित करते हुए बताया की इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों में अपने अंदर छिपी हुई कला एवं प्रतिभा का विकास होता है। अंत में सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रमुख कुमकुम झा के अलावा सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजूद थे।

विद्या भारती स्कूल में "राम आयेंगे तो अंगना सजाउंगी" गीत प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता, साहिबगंज

गीत प्रस्तुत करती छात्राएं.

चौक बाजार स्थित विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के चंदना कक्ष में बाल भारती व कन्या भारती के द्वारा कक्षा द्वितीय से अष्टम की बहनों के बीच राम आएंगे तो अंगना सजाउंगी गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें प्रथम स्थान प्राप्त बहनों को हनुमान चालीसा व लेखनी देकर सम्मानित किया गया. मौके पर प्रधानाचार्य रामदेव राम, आचार्य अमित कुमार, रंजीत ठाकुर, अजय कुमार साह, अजीत कुमार मालवीय, कल्याण भंडारी, श्यामा प्रसाद, किरण गुप्ता, लिपिका राज सिंह, सारिका कुमारी, क्रिस्टीना मुर्मू आदि मौजूद थे।

विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह में सीबीएसई का इन हाउस ट्रेनिंग का आयोजन

धनबाद / सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह*में सीबीएसई इन हाउस ट्रेनिंग का तीसरा दिन समाप्त हुआ। कुल मिलाकर 15 घंटे का ट्रेनिंग सेशन पूर्ण हुआ। रिसोर्स पर्सन डॉ0 पूजा द्वारा आज* कक्षा प्रबंधन (Classroom management) के विषय में तथ्यपरक जानकारी दी गई। उन्होंने प्रयोगात्मक विधि से कक्षा प्रबंधन को विस्तार पूर्वक आचार्य के बीच रखा।उन्होंने बताया कि किस तरह से क्रियात्मक रूप से बच्चों को आकर्षित करके उनके सर्वांगीण विकास को पूर्ण किया जाए। छोटे-छोटे प्रयोग द्वारा उन्होंने हर आचार्य एवं आचार्या द्वारा पाठ योजना बनाकर

TLM,LTM, एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियों द्वारा कक्षा नियोजन पूर्ण करने की विधि बताई। खेल-खेल में छोटे बच्चों को कैसे शिक्षा दी जाती है, यह भी आज के इस ट्रेनिंग सेशन में बताया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020के अंतर्गत यह उपरोक्त विषय अगर कक्षा- कक्ष में अमल में लाया जाए तो संपूर्ण रूप से शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण होगा। विद्यालय के प्राचार्य श्री राकेश सिन्हा ने भी आज के इस सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमारे विद्यालय में हर आचार्य इस कला में दक्ष हैं। साथ ही साथ विद्या भारती के विद्यालयों में यह योजना पहले से ही चल रही थी, उसी में कुछ नयापन लाकर के इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2024 को सजाया और संवारा गया है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि यदि इसे पूर्ण रूप से हर विद्यालय में लागू कर दिया जाए तो निश्चित रूप से हम अपने उद्देश्य में सफल हो जाएंगे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की वार्षिक परीक्षा के परिणामों की हुई घोषणा

हजारीबाग : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग की वार्षिक परीक्षा 2023- 2024 का परीक्षाफल शुक्रवार को प्रकाशित हुआ । कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं माता सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य ब्रजेश कुमार सिंह,प्रभारी प्राचार्य डॉ राजीव रंजन एवं कक्षाचार्य बंधु- भगिनी ने कक्षा अरुण से नवम एवं एकादश कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले भैया- बहनों को प्रगति पत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित कियाद्य कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ब्रजेश कुमार सिंह ने भैया बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत रूप से लगे रहेद्य आप जीवन के हर क्षेत्र में सफल होंगेद्य कक्षा में प्रथम स्थान लाने वाले भैया- बहनों के नाम है । कक्षा अरुण में अनुष्का रानी 97.2% ,उदय में आदित्य कुमार 97.8 % प्रभात में निधि कुमारी 100% प्रथम में आराध्या मिश्रा 99.57% , द्वितीय में वेदंतु राज 97.37 % ,तृतीय में अंकित कुमार 97.22 % चतुर्थ में दृष्टि प्रियाल 92.88% पंचम में शुभ कुमार 90%, षष्ठ में आकांक्षा कुमारी 97.55% सप्तम में प्रत्यक्ष सिन्हा 96.11% अष्टम में प्रिंस कुमार 94.77 % नवम में श्रेया शर्मा 90.2%, एकादश विज्ञान में आदित्य आर्यन 84.4% एवं एकादश वाणिज्य में अनु कुमारी 70.20% । उपर्युक्त सभी प्रथम स्थान लाने वाले भैया- बहनों एवं द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गयाद्य गौरतलब है कि विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव फणीन्द्रनाथ एवं कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने इस अवसर पर भैया -बहनों को बधाई एवं शभकामना संदेश प्रेषित की है।

विभाग स्तरीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण ग.प्र.बु.स.शि.वि.म., मोराबादी राँची

विद्या विकास समिति ने मनाई मालवीय व वाजपेयी जयंती

रांची| विद्या विकास समिति के हिनू स्थित कार्यालय में सोमवार को महामना मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि डीएसपीएमयू के वीसी तपन कुमार शांडिल्य ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पत्रिका समाज में परिवर्तन ला सकती है और भैया-बहनों की लेखनी को सशक्त करती है। रांची विवि के क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा के अध्यक्ष त्रिवेणी साहू ने कहा कि बच्चों की पत्रिका में अच्छे लेख और प्रेरक प्रसंग नई दिशा देने का कार्य करते हैं। डोरंडा कॉलेज के प्रोफेसर बृजेश कुमार ने कहा कि पत्रिका किसी भी संगठन का आईना होती है। पत्रिका में लेखन भैया-बहनों की प्रतिभा में विकास करता है। समिति के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मालवीय जयंती के अवसर पर प्रांत की वार्षिक पत्रिका 'उत्सर्ग' का लोकार्पण किया गया।

सामूहिक गीत, डांडिया व नागपुरी नृत्य से बांधा समां

स्कूल में झंडोत्तोलन करते पदाधिकारी .

प्रतिनिधि, चाईबासा

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (चाईबासा) में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मना. जिसमें मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामध्यान मिश्र ने पूर्वाह्न 9:30 बजे राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी. इस दौरान बच्चों ने हिंदी, संस्कृत व अंग्रेजी में भाषण प्रस्तुत किया. साथ ही एकल गीत, सामूहिक गीत, डांडिया नृत्य, नागपुरी नृत्य एवं शिशु वाटिका के बच्चों ने वाहवाही लूटी. मौके पर विमल सरार्फ, अनंत लाल विश्वकर्मा, नीला नाग, आकाश, विकास, सुजीत विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार सिंह, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार पांडेय,अनंत लाल विश्वकर्मा आदि ने संबोधित किया.

दुमका में प्रश्नमंच और भाषण प्रतियोगिता

भास्कर न्यूज|दुमका

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दुमका के प्रांगण में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती समारोह का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। मौके पर सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा, ए एन कॉलेज के हिंदी विभाग के प्राध्यापक अनुज आर्य व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान देवेंद्र वर्मा के द्वारा सामूहिक रूप से स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान विद्यालय में स्वामी जी के जीवन पर आधारित प्रश्नमंच प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भैया बहनों के द्वारा किया गया। इसमें सभी सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को मुख्य अतिथि के हाथों मेडल देकर सम्मानित किया गया ।

छात्र को सम्मानित करते।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य श्री विकास कुमार मिश्र, आलोक रंजन, संतोष कुमार, मंटू कुशवाहा, श्वेता सिंह, सोनी, कविता, प्रीति आदि सभी का प्रयास सराहनीय रहा।

महिला शिक्षकों को किया सम्मानित

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने सभी महिला शिक्षकों का सम्मान किया। कार्यक्रम में रेणु कुमारी, रश्मि साहू, यशोदा कुमारी, ऋद्धि मिश्रा, कविता कुमारी, चेतना प्रिया, स्नेहा शर्मा, अर्चना कुमारी, आरती भगत सहित शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीताबी मंडल सरस्वती शिशु मंदिर खपरोडीह में मातृ-पितृ पूजनोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

- **ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति सभ्यता अक्षुण्ण बनाने की सीख मिलती है : रीता**

देवघर/नगर संवाददाता।

गुरुवार को सीताबी मंडल सरस्वती शिशु मंदिर खपरोडीह में मातृ-पितृ पूजनोत्सव कार्यक्रम धुमधाम से विद्यालय परिवार की ओर से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी समिति की सचिव सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में भैया-बहनों के माता पिता हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए। मौके पर विद्यालय के भैया बहनों ने अपने माता-पिता का पाद प्रक्षालन, तिलक चंदन लगाकर आरती कर स्वागत किया। मौके पर भाजपा नेत्री रीता चौरसिया ने ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम के

आयोजन से हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति सभ्यता अक्षुण बनाने के साथ साथ अपने माता पिता के साथ अभिभावकों व बड़ों का आदर करने की सीख मिलती है। साथ ही बच्चों में श्रद्धा भाव का गुण विकसित होता है, जो आज के आधुनिकता में खोता जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य अनिल कुमार, दयाल शरण, मंजू कुमारी, सुप्रिया कुमारी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जबकि मार्गदर्शन की मुख्य भूमिका प्रधानाचार्य विजय कुमार वर्णवाल ने निभाई।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, विद्यासागर, जामताड़ा में मनया गया, संत रविदास जयंती।

रविदास जयंती पर दिव्यांगों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

दुमका | रविदास जयंती के अवसर पर रोटी बैंक दुमका के संचालक जतिन कुमार के द्वारा संथाल परगना महाविद्यालय के फुटबॉल ग्राउंड में दिव्यांगों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ मनीष भारती, करियर प्वाइंट के डायरेक्टर राकेश रोशन, शशि शेखर, जतीन कुमार, नेत्रहीन विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शिवनंदन महतो ने संत रविदास जयंती की तस्वीर पर फूल माला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।जतीन कुमार एव शिवनंदन महतो द्वारा आमंत्रित अतिथियों को अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। ए टीम के कप्तान श्यामल टुडू और बी टीम के गोपाल मरांडी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। 10-10 ओवर का खेल का

आयोजन किया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता में दो टीम ने भाग लिया। जिसमें नेत्रहीन आवासीय विद्यालय श्री अमड़ा दुमका एवं ब्लाइंड यूथ एसोसिएशन के खिलाड़ियों के बीच खेला गया। मैन ऑफ द मैच रवि हांसदा रहे, जिन्होंने 30 रन बनाकर एक विकेट लिया। बेस्ट बेस्ट मैन अमरजीत सोरेन, बेस्ट बॉलर रवि हांसदा रहे। इस अवसर पर डॉक्टर शंभू सिंह, डॉक्टर इंद्रजीत सिंह, एसकेएमयू केडीपीआरओ दीपक दास कर्मिला केरकटा, प्रीतम कुमार सिंह बलदेव राय, नीतीश कुमार उपेंद्र राय विवेक कुमार सिंह, देव दत्ता, संजय कुमार ठाकुर, तापस कुमार दास,आलोक कुमार नंदलाल साह आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

समरस्ता का पर्व मंकरसंक्रांति के अवसर पर .... धनबाद के सरस्वती संस्कार केन्द्र में दही–चुड़ा का सहभोज।

सरस्वती विद्या मंदिर में विद्यारंभ संस्कार संपन्न

संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में वसंत पंचमी के शुभ अवसर सैकड़ों भैया/ बहनों का विद्यारंभ संस्कार करवाया गया। इस कार्यक्रम को सरस्वती माँ के पूजनोपरांत विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी के निर्देशन में विद्यालय के आचार्य एवं पुरोहित राधेश्याम मिश्रा के द्वारा हवन के साथ साथ विद्यारंभ संस्कार करवाया गया। इस कार्यक्रम में बच्चे तथा उनके माता - पिता काफी उत्साहित थे।इस कार्यक्रम में 3 से 5 वर्ष तक के आयु के नवीन छात्रों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया । विद्यारंभ संस्कार का स्थान काफी सुसज्जित , आकर्षक एवं

मनमोहक था जिसमे प्रेरणादायी एवं आकर्षक भगवान राम - लक्ष्मण , लव कुश , कृष्ण - सुदामा के विद्यारंभ संस्कार से सम्बन्धित चित्र लगाए गए थे । उस कार्यक्रम की भूरी - भूरी सराहना अभिभावकों के द्वारा किया गया । अभिभावकों के अनुसार इस तरह के कार्यक्रम से सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रति भाव जागृत होता है इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी जी के द्वारा हिंदू संस्कृति के सोलह संस्कारों का संक्षिप्त परिचय कराया गया उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में विद्यारंभ संस्कार अति महत्पूर्ण है जिसके द्वारा बालक बालिकाओं में ज्ञान के प्रति जिज्ञासा डालने की कोशिश की जाती है साथ ही उनमें सामाजिक और नैतिक गुणों के वास की प्रार्थना की जाती है । विद्यारंभ संस्कार में सभी भैया बहनों का स्थान सुनियोजित तथा सुसज्जित था । पूजा की चौकी पर केले के पत्ते और पूजा की थाल , दीपक , अक्षत , रोड़ी फूल , कॉपी एवं पेंसिल आदि रखे गए थे । पुरोहित के द्वारा वेदों का सस्वर पाठ किया गया प्रत्येक छात्रों की कॉपी पर स्वस्तिक के चित्र बनाए गए तथा देवनागरी एवं आंग्ल लिपि में कुछ अक्षर लिखवाए गए।

संरक्षकः रामअवतार नारसरिया, ख्यालीराम जी, अजय कुमार तिवारी । परामर्शी : अखिलेश कुमार।

संपादक : मनोज कुमार। प्रकाशक : विद्या विकास समिति, झारखंड, शुक्ला कॉलोनी, हिनू, राँची-834002

: 0651-3512271, 2251008 : vvs.jharkhand@yahoo.com, vvspv.jharkhand@yahoo.com : vvsjharkhand.org.in

आंतरिक प्रसारण हेतु